● सुनो और गाओ :

१२. दोहे

परिचय : कबीर, रहीम, तुलसीदास और बिहारी ये मध्यकालीन कवि हैं । इनके द्वारा लिखे 'दोहे' हिंदी के अमूल्य अक्षरधन हैं । प्रस्तुत दोहे नीति मूल्यों पर आधारित हैं ।

स्वयं अध्ययन

सुवाच्य, सुडौल अक्षरों में दोहों की वाक्य पट्टियाँ बनाओ ।

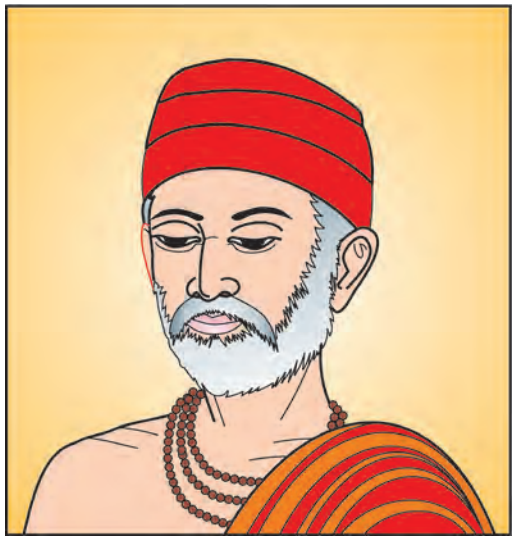

कबीर

काल्ह करे सो आज कर, आज करे सो अब ।
पल में परलै होइगी, बहुरि करैगा कब ।।१।।

कथनी मीठी खाँड़-सी, करनी विष की लोय ।
कथनी तजि करनी करै, विष से अमृत होय ।।२।।

रहीम

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत ।
बिपति कसौटी जे कसे, सोई साँचे मीत ।।१।।

रहिमन विद्याबुद्धि नहीं, नहीं धरम जस दान ।
भू पर जनम वृथा धरै, पसु बिनु पूँछ समान ।।२।।

❑ विद्यार्थियों से दोहों का मौन एवं मुखर वाचन कराएँ । दोहा रचना से परिचय कराएँ । दोहों का सरल अर्थ बताएँ । विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से दोहों का भावार्थ समझाएँ । उनसे दोहों की गेय प्रस्तुति कराएँ ।

सदैव ध्यान में रखो

सदाचरण अच्छे चरित्र का निर्माण करता है ।

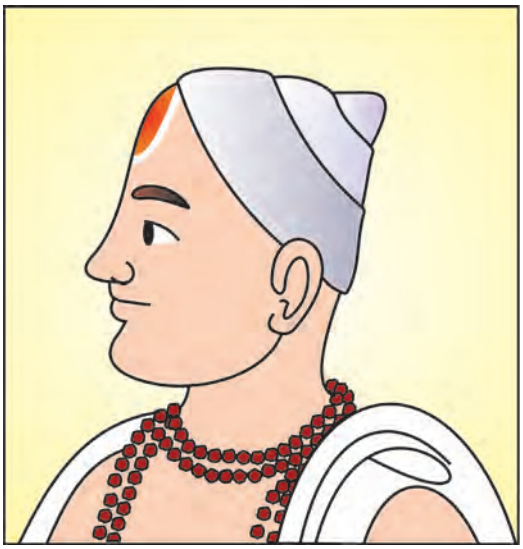

तुलसीदास

मुखिया मुख-सौ चाहिए, खान पान को एक ।
पालै, पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ।।१।।
तुलसी या संसार में, भाँति-भाँति के लोग ।
सबसे हँस-मिल बोलिए, नदी नाव संजोग ।।२।।

बिहारी

बढ़त बढ़त संपत्ति-सलिलु, मन सरोज बढ़ि जाइ ।
घटत-घटत पुनि ना घटै, बरु समूल कुम्हिलाइ ।।
संगति सुमति न पाबही, परे कुमति के धंध ।
राखौ मेलि कपूर में, हींग न होत सुगंध ।।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

काल्ह = कल	मीत = दोस्त
परलै = प्रलय	सलिलु = पानी
बहुरि = फिर	सरोज = कमल
लोय = आग की लपट	बरु = बल्कि
बिपति = संकट	समूल = जड़ से
साँचे = सच्चे	पाबही = प्राप्त होता है

अध्ययन कौशल

किसी एक दोहे के अर्थ को चित्र द्वारा स्पष्ट करो और समझाओ ।

खोजबीन

'भारत रत्न पुरस्कार' प्राप्त किन्हीं दो व्यक्तियों की जानकारी ढूँढ़ो ।

सुनो तो जरा

अन्य दोहों को सस्वर सुनो और सुनाओ ।

बताओ तो सही

कौन-कौन-से गुण तुम्हें आदर्श विद्यार्थी का स्थान दिला सकते हैं? सोचो और बताओ ।

वाचन जगत से

किसी अन्य कवि के दोहों को पढ़ो ।

मेरी कलम से

बालपत्रिका में आने वाली कविताओं को संकलित कर हस्तपुस्तिका तैयार करो ।

✻ उचित जोड़ियाँ मिलाओ

'अ'		'ब'
१. कथनी तजि करनी करै	–	रहीम
२. सबसे हँस मिल बोल बोलिए	–	कबीर
३. पसु बिनु पूँछ समान	–	बिहारी
४. संगति सुमति न पाबहि	–	तुलसीदास

जरा सोचो तो ... बताओ

यदि समय जानने का यंत्र (घड़ी) न होता तो .....

विचार मंथन

।। गागर में सागर भरना ।।

भाषा की ओर
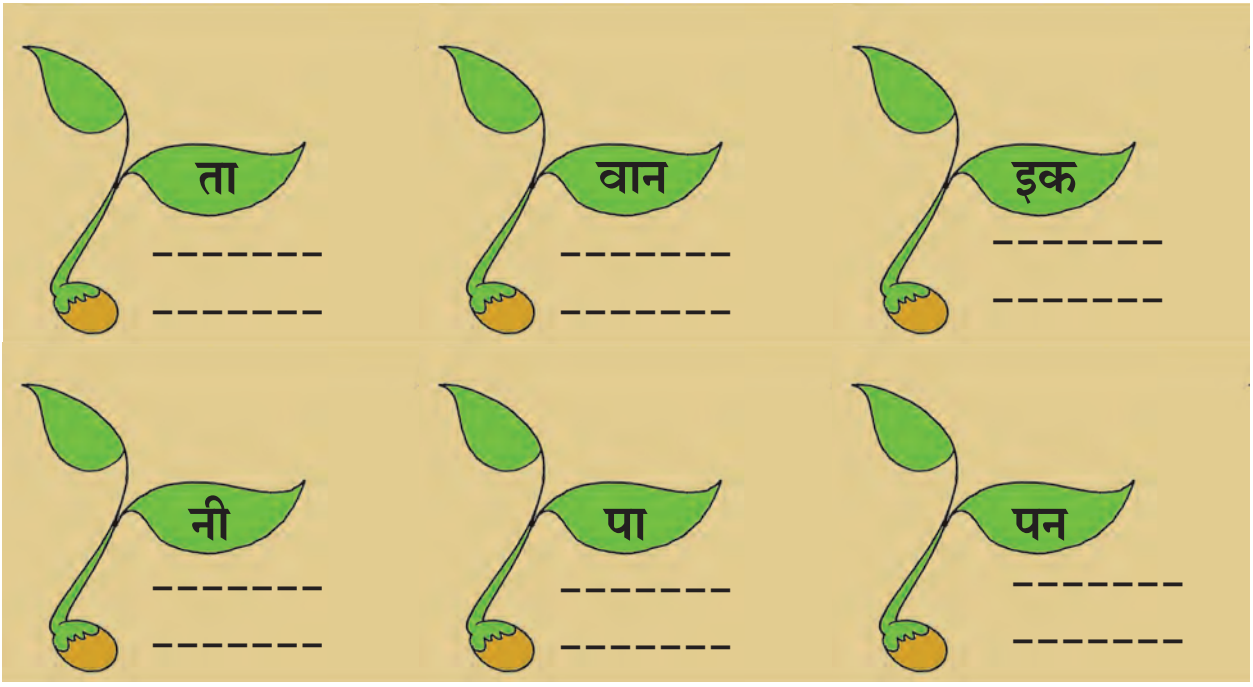
पत्ते पर दिए गए प्रत्यय से शब्द तैयार करो और लिखो ।